मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 165, मुंबई, गुरुवार, 4 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर
शुध्द घी में बना
केसरीया
घेवर

काजु कतरी, काजु रोल, बदाम बर्फी,
बदाम रोल, केसर पेडे, पिस्ता लॉज,
मिलेगा.
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501 98208 99501

मीरा रोड में घटी सनसनीखेज घटना

फिरौती के लिए 13 वर्षीय बच्चे का MURDER

पुलिस के हत्थे चढ़े दो आरोपी

संवाददाता

ठाणे। मुंबई से सटे मीरा रोड में सनसनीखेज घटना घटी है। यहां 25 लाख की फिरौती के लिए 13 वर्ष के एक बच्चे का अपहरण कर हत्या कर दी गई। काशीमीरा पुलिस ने इस मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मीरा रोड के शांति पार्क इलाके में पीड़ित महिला अपने दो बच्चों के साथ रहती है। 31 जुलाई की रात वह काम पर गई थी। रात करीब 12 बजे उसका बेटा मयंक घर नहीं लौटा तो परिवार की चिंता बढ़ गई। महिला ने इस संबंध में काशीमीरा पुलिस थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया। अपहरण का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू की। इसी दौरान 2 अगस्त की दोपहर को मयंक का शव वालिव थाना क्षेत्र में मिला। उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'कुछ दिन पहले आरोपी ने मृतक लड़के को मोबाइल फोन देने का वादा किया लेकिन सिम कार्ड लाने को कहा। मृतक लड़के के घर से सिम कार्ड लाने के तुरंत बाद, दोनों उसे अपनी बाइक पर नायगांव ले गए। उसे छिपाने के लिए कोई जगह नहीं होने के कारण, उन्होंने उसे एक पुल से फेंक दिया। लेकिन मृतक लड़का बच गया और मदद के लिए चिल्लाने लगा, जिसके बाद दोनों ने गला घोंटकर हत्या करने से पहले उसके पेट में चाकू मार दिया। गौरतलब है कि आरोपी ने फिरौती के लिए उसी सिम कार्ड का इस्तेमाल किया जो मृतक लड़के ने अपने घर से ला कर दिया था'

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अफजल मोहम्मद हनीफ अंसारी (22) और इमरान नूर हसन शेख (24) के रूप में हुई है, दोनों आरोपी ने मृतक बच्चे से पिछले महीने ही दोस्ती की थी

'जांच से पता चला है कि दोनों आरोपी फिरौती के पैसे का उपयोग अपने स्वयं के व्यवसायों के लिए करने की साजिश रची थी। आरोपी अंसारी एक सैलून शुरू करना चाहता था और इमरान शेख ने गैरेज शुरू करने और शादी करने की योजना बनाई थी'

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हम अतीत में आरोपी द्वारा किए गए किसी अन्य अपराध का पता लगाने के लिए उनकी पृष्ठभूमि की जांच कर रहे हैं', आईपीसी की धारा 302, 387, 120 (बी) और 201 के तहत दोनों को 6 अगस्त तक हिरासत में भेज दिया गया हैब

शिवसेना किसकी?

सुप्रीम कोर्ट में नहीं हो पाया साफ

आज फिर होगी सुनवाई

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट में 'शिवसेना किसकी' को लेकर मामला चल रहा है। कोर्ट में बुधवार को सुनवाई पूरी नहीं हो सकी और अब मामले की सुनवाई आज गुरुवार को भी होगी। आज की सुनवाई में पहले एकनाथ शिंदे की ओर से वकील दलील देंगे। आज पहले नंबर पर मामले की सुनवाई होगी। इससे पहले उद्धव ठाकरे गुट की ओर से दलील पेश करते हुए वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि आज भी शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे हैं। एकनाथ शिंदे को नई पार्टी बनानी होगी, या किसी अन्य पार्टी के साथ विलय करना होगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

यंग इंडिया का दफ्तर सील

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार लगातार दूसरे दिन कार्रवाई की है। ईडी ने दिल्ली की हेराल्ड बिल्डिंग में स्थित यंग इंडिया कंपनी का ऑफिस सील कर दिया है। मनी लॉन्ड्रिंग केस में जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई की है। यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का ऑफिस सील होने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान आया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी 2-3 उद्योगपतियों के लिए काम करती है। उन्होंने छोटे, मध्यम व्यापारियों के लिए कुछ नहीं किया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अब छापेमारी

नेशनल हेराल्ड से जुड़ा मामला गंभीर होता दिख रहा है। पहले कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं से पूछताछ हुई और अब ईडी ने नेशनल हेराल्ड के दफ्तरों पर छापेमारी की है। मनी लॉड्रिरिंग केस की जांच कर रहे ईडी ने कांग्रेस समर्थित अखबार नेशनल हेराल्ड के दफ्तरों पर जो छापेमारी की है, उसके बड़े गहरे निहितार्थ हैं। प्रश्न है, क्या सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पूछताछ में एजेंसी को ऐसा कुछ पता चला है, जिसकी वजह से नेशनल हेराल्ड पर छापा मारने की नौबत आई? किसी अखबार के कार्यालय पर छापा मारने की नौबत आना अपने आप में बड़ी चिंता की बात है। ईडी को बहुत फूंक-फूंककर कदम रखना चाहिए। यह इतना बड़ा मामला बन गया है और इसमें इतने बडे. नेताओं के नाम शामिल हैं कि दूध का दूध और पानी का पानी होना ज्यादा जरूरी है। जांच अंजाम तक पहुंचे, तभी ईडी की कार्रवाई का औचित्य साबित होगा। खास यह है कि ईडी अर्थात प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने नेशनल हेराल्ड के दफ्तर सहित 12 अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की है। यह कोई मामूली कार्रवाई नहीं है, इसका असर न केवल कांग्रेस पार्टी, बल्कि देश की अन्य राजनीतिक पार्टियों और संसद के भीतर भी देखने को मिल सकता है। ध्यान रहे, सोनिया गांधी से ईडी ने कई दिन पूछताछ की थी। उससे पहले राहुल गांधी से भी लगातार कई दिनों तक पूछताछ हुई, जिसका विरोध कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश भर में किया था। पूछताछ के विरोध की राजनीति जितनी गलत है, उतनी ही गलत है जांच एजेंसियों को लेकर होने वाली शिकायतें। कुल मिलाकर, मनी लाड्रिरंग के इस मामले को सियासी मामला नहीं बनाना चाहिए, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपने देश में विपक्षी पार्टियां हमेशा से ही सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगाती रही हैं। विपक्ष में रहकर एजेंसियों के दुरुपयोग की चर्चा करने वाली पार्टियां सत्ता में आकर ऐसे ही आरोपों के निशाने पर आ जाती हैं। यह मामला ठीक उसी तरह से है कि जैसे विपक्ष में बैठी पार्टियों के लिए महंगाई एक बहुत बड़ा मुद्दा है। ऐसे में, आम लोगों का भ्रम गहरा जाता है कि आखिर क्या सही है और क्या गलत? ईडी ही नहीं, वर्तमान सरकार की भी यह जिम्मेदारी है कि वह इस भ्रम को दूर करे और राजनीतिक बदले के आरोपों की गुंजाइश छोड़ने से बचे। मामले का जल्द से जल्द पटाक्षेप होना भी जरूरी है, क्योंकि इसका असर भविष्य की राजनीति पर पड़ेगा और देश में बदले की सियासत तेज होगी। बताया जाता है कि मनी लॉड्ररिंग के इस कथित मामले में मोतीलाल वोरा की ज्यादा भूमिका थी और अब तक हुई पूछताछ में भी वोरा का नाम बार-बार आया है। क्या वाकई इस मामले में लेन-देन हुई है? ईडी के लिए यह जरूरी है कि वह लेन-देन को साबित करे। जाहिर है, छापेमारी का उद्देश्य साक्ष्य जुटाना है। लेन-देन साबित किए बिना मनी लॉड्ररिंग के इस मामले में मजबूती नहीं आएगी। संकेत यही है कि अभी तक ठोस रूप से आम लोगों के सामने कोई सुबूत नहीं आया है, तो ईडी ऐसे ही सुबूत की तलाश में है। अब यह बहस तलब है कि कुछ अकाट्य सुबूत जुटाने के बाद अगर ईडी दिग्गज नेताओं से पूछताछ करती, तो शायद इसका इतना विरोध नहीं होता। यह हाई-प्रोफाइल मामला एजेंसियों के लिए भी किसी सबक से कम नहीं है। सभी जांच एजेंसियों को अपनी साख की चिंता अवश्य होनी चाहिए, सियासत की चिंता करना उनका काम नहीं है।

उफ! सत्ता का ऐसा अहंकार!

लोकतांत्रिक सत्ता भी नेता को अहंकारी बनाती है लेकिन कितना? क्या लोकतंत्र में किसी चुनी हुई सरकार के नेता या मंत्री का अहंकार ऐसा हो सकता है कि वह कहे कि तुम जिंदा हो तो हमारे नेता की वजह से, उसका धन्यवाद करो? या यह कि हमारा नेता 80 करोड़ गरीबों का फ्री फंड में पेट भर रहा है, उसका धन्यवाद करो? ये दोनों डायलॉग दो दिन के अंतराल पर सुनने को मिले हैं। लोकसभा में महंगाई पर चर्चा के दौरान भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि 'प्रधानमंत्री देश के 80 करोड़ गरीबों को फ्री फंड में खाना दे रहे हैं तो क्या उनका धन्यवाद नहीं किया जाना चाहिए'। इससे एक दिन पहले बिहार सरकार के एक मंत्री और भाजपा के नेता रामसूरत राय ने एक सभा में कहा कि 'आज अगर आप जिंदा हैं, तो वो नरेंद्र मोदी की देन है। अगर नरेंद्र मोदी अपना कोरोना वैक्सीन का इश्तहार नहीं करते, आविष्कार नहीं करते। लोगों को फ्री वैक्सीन नहीं लगता'..एक साल पहले वाला जो कोरोना था' सबसे पहले वाला कम था, बीच वाला जो कोरोना आया था, कोई ऐसा व्यक्ति नहीं था, जिसके परिवार के लोग, रिश्तेदार लोग, घर का लोग नहीं मरा होगा'। सोचें, एक नेता के मुताबिक प्रधानमंत्री देश के लोगों के पालनहार हैं तो दूसरे के मुताबिक जीवन-मृत्यु भी उन्हीं के हाथ में है! वे ही रक्षक भी हैं! हैरानी है कि भारत जैसे देश में, जहां हर व्यक्ति यह दोहराता है कि अहंकार तो रावण का भी नहीं रहा, वहां ऐसा अहंकार!

वह भी अहंकार एक नेता का, जिसका खुद का सारा जीवन फ्री फंड की सुविधाओं पर चलता है! सोचें, सांसदों और विधायकों को क्या-क्या फ्री फंड में मिलता है। देश या राज्यों की राजधानी में फ्री का घर मिलता है। उस घर में फ्री की बिजली मिलती है और फ्री का पानी मिलता है। उसमें फ्री का फर्निचर और परदे लगाए जाते हैं। फ्री का टेलीफोन मिलता है। फ्री की हवाई यात्रा और फ्री की रेल यात्रा मिलती है। फ्री का स्टाफ मिलता है। सांसद या विधायक के नाते जो वेतन मिलता है उसके अलावा संसद या विधानसभा में जाने के लिए भत्ता अलग से मिलता है। क्षेत्र में घूमने और जनता से मिलने के लिए भी भत्ता मिलता है। संसद और विधानसभाओं में लगभग फ्री की कीमत पर खाना मिलता है। हार जाने के बाद भी सांसदी और विधायकी दोनों की अलग अलग पेंशन मिलती है और ढेरों अन्य सुविधाएं मिलती हैं, वह व्यक्ति कह रहा है कि फ्री फंड का खाना दे रहे हैं या फ्री की वैक्सीन लगवा रहे हैं! इसी के लिए कहा गया है, 'बुत हमको कहें काफिर, अल्लाह की मर्जी है'! फ्री की इतनी सारी सुविधाएं देने के लिए पैसा कहां से आता है? वह पैसा इस देश की 140 करोड़ जनता की खून-पसीने की कमाई का होता है। देश के सकल घरेलू उत्पादन में हर भारतीय का योगदान है। भारत में टैक्सपेयर का एक मिथक बनाया गया है, जिसमें आयकर देने वाले ही टैक्सपेयर माने जाते हैं। लेकिन असल में इस देश का एक एक व्यक्ति टैक्स देता है। अप्रत्यक्ष कर ऐसा कर है, जिसे हर व्यक्ति को चुकाना होता है। सो, यह टैक्सपेयर का पैसा होता है, जिससे सांसदों, विधायकों और देश के सरकारी बाबुओं को वेतन, पेंशन और ढेर सारी फ्री की सुविधाएं मिलती हैं। क्या कभी किसी ने इसके लिए देश की जनता का आभार मानने या उसे धन्यवाद कहने की जरूरत समझी है? नेता महोदय, आप धन्यवाद कहिए देश की जनता का, जिसकी गाढ़ी कमाई के पैसे से आपको सारी सुख-सुविधाएं मिल रही हैं! उसी की कमाई या उसी के टैक्स के पैसे में से अगर कोई सरकार उसे कुछ सुविधाएं देती है तो उसका अहसान नहीं जताया जा सकता है! देश का पैसा या संपत्ति किसी सरकार की नहीं होती है। वह देश की होती है, देश के नागरिकों की होती है। सरकार उस पैसे या संपत्ति की मालिक नहीं है, बल्कि मैनेजर है, कस्टोडियन है। उसे उस पैसे की देख-भाल करनी है और उससे नागरिकों के लिए अधिकतम सुविधाओं का इंतजाम करना है। ध्यान रहे लोग सरकार इसलिए नहीं चुनते हैं कि वह उनके उपर कोड़े चला कर टैक्स वसूले और उस टैक्स के पैसे से सरकार का सिस्टम चलाए। नेताओं और सरकारी बाबुओं के वेतन-पेंशन दे और ठेके-पट्टे बांटे। लोक कल्याणकारी सरकार इसलिए चुनी जाती है कि वह आम जनता के हितों की रक्षा का काम करे। उसका काम जनता के लिए बुनियादी सुविधाओं का इंतजाम करने का होता है। इसके लिए ही सरकार चुनी जाती है और सरकार के लोगों को वेतन-भत्ता मिलता है। तभी प्रधानमंत्री अपने को बार बार प्रधान सेवक कहते हैं।

पहले भी सरकारें नागरिकों को वैक्सीन लगवाती रही हैं और पहले भी जन वितरण प्रणाली की दुकानों से गरीब लोगों को बिना पैसा दिए या बहुत कम कीमत पर अनाज आदि मिलते रहे हैं। याद करें कैसे यूपीए के शासन के समय कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी कहा करते थे कि हमारी सरकार ने अमुक राज्य को इतना पैसा दिया, अमुक राज्य को उतना पैसा दिया तो तब के गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भाषण में कहा था कि क्या मामा के यहां से पैसे लाकर दे रहे हैं! वह बहुत वाजिब सवाल था और आज भी प्रासंगिक है। जिस पैसे से गरीबों को अनाज दिया जा रहा है या देश के लोगों को वैक्सीन लगवाई जा रही है वह किसी के घर से नहीं आ रहा है। वह पैसा इस देश के नागरिकों की गाढ़ी कमाई का ही है। सो, नेताओं को इस मानसिकता से निकलना होगा कि वे देश के नागरिकों को मुफ्त में कुछ दे रहे हैं। मुफ्त में कुछ नहीं दिया जा रहा है, बल्कि मुफ्त की बात करके नागरिकों का अपमान किया जा रहा है।

चीनी भभकी को पेलोसी का ठेंगा!

चीन की धमकियों की परवाह किए बगैर अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान पहुंच गई हैं। मंगलवार को भारतीय समय के मुताबिक रात करीब साढ़े बजे पेलोसी का विमान ताइवान में उतरा, जहां ताइवान के विदेश मंत्री ने उनका स्वागत किया। नैंसी पेलोसी के ताइवान पहुंचने पर चीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक चीन ने उनके ताइवान दौरे को बेहद खतरनाक बताया है। नैंसी पेलोसी ने ताइपेई पहुंचने के बाद ट्विटर पर कहा- हमारे सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का ताइवान दौरा अमेरिका के ताइवान के प्रगतिशील लोकतंत्र के प्रति अडिग समर्थन को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि ताइवान की लीडरशिप के साथ हमारी चर्चा अहम पार्टनर के लिए हमारे समर्थन की पुष्टि करती है और एक मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आगे बढ़ाने सहित हमारे साझा हितों को बढ़ावा देती है। पेलोसी ने कहा- ताइवान के 23 मिलियन लोगों के साथ अमेरिका की एकजुटता, आज पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया लोकतंत्र और निरंकुशता के बीच एक विकल्प का सामना कर रही है। इससे पहले भी चीन ने अमेरिका को नतीजे भुगतने की धमकी दी थी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को दोबारा अमेरिका को धमकी दी थी। वांग यी ने कहा था- अमेरिकी जो पेलोसी की विजिट पर सियासत कर रहा है। वो आग से खेल रहा है। उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसका अंजाम अच्छा नहीं होगा। अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए चीन ने अपने लड़ाकू विमान तैनात किए थे और समुद्र में युद्धपोत भी तैयार रहने को कहा था। इतना ही नहीं चीन के सरकारी अखबारी 'ग्लोबल टाइम्स' ने यहां तक धमकी दी थी कि अगर पेलोसी का विमान ताइवान की ओर से गया तो उसे उड़ाया जा सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा के शमशान भूमि में दाह संस्कार में उपयोग होने वाली इलेक्ट्रिक मशीन के गैस सिलेंडर की कर्मचारी द्वारा की जा रही है चोरी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर के दमकल विभाग के निकट शमशान भूमि में दाह संस्कार में इलेक्ट्रिक मशीन मैं उपयोग होने वाला गैस सिलेंडर कर्मचारी द्वारा चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले मे बौद्ध उपासक उपासिका समन्वये संस्था के पदाधिकारी प्रवीण पवार द्वारा मिली जानकारी के अनुसार रेती बंदर परिसर से लेकर पूरे मुंब्रा शहर मैं एक ही इलेक्ट्रिक मशीन वाला शमशान भूमि है और तमाम हिंदू समुदाय के लिए यह शमशान भूमि मनपा प्रशासन द्वारा बनाया गया है शमशान भूमि की रखरखाव की सारी जिम्मेदारी मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा अमृत इंटरप्राइजेज को दी गई है परंतु बड़े अफसोस के साथ में कहना पड़ता है यह शमशान भूमि लावारिस नजर आ रहा है यहां पर मनपा प्रशासन के अधिकारी की भरपूर लापरवाही साफ नजर आ रही है क्योंकि देह संस्कार के समय इलेक्ट्रिक मशीन में उपयोग होने वाला गैस सिलेंडर कर्मचारी द्वारा चोरी किया जा रहा है इस मामले में उन्होंने बताया अंतिम विधि के लिए मनपा प्रशासन द्वारा प्रति महीना 22 सिलेंडर शमशान भूमि में उपलब्ध कराए जाते हैं जिसमें से कर्मचारी द्वारा 3 गैस

सिलेंडर चोरी किए गए हैं हम लोगों की गिनती पर 19 सिलेंडर वहां पर उपलब्ध थे 3 गैस सिलेंडर गायब है यह मामले का खुलासा अमोल पवार के माध्यम से प्रवीण पवार तक पहुंचा तब यह मामला उजागर हुआ उन्होंने बताया मनुष्य को अंतिम विदाई देने वाली इलेक्ट्रिक मशीन जोकि कलवा मुंब्रा के आमदार जितेंद्र अवार्ड द्वारा निधि उपलब्ध कराने के बाद बनाया गया था और इसका ठेका अमृत एंटरप्राइजेज को दिया गया था जिनमें उनका काम था मृत शरीर को इलेक्ट्रिक मशीन के माध्यम से दाह संस्कार करना और उसके बाद साफ सफाई का सारा जिम्मा दिया गया था परंतु इसकी देखभाल अमृत इंटरप्राइजेज द्वारा जरा भी नहीं की जा रही है यहां पर किसी तरह की सुविधा मनपा प्रशासन की तरफ से प्रदान नहीं की जा रही है यहां पर तीन सुपरवाइजर है और चार सफाई कामगार है पर नजर एक भी नहीं आ रहा यह सब कागज पर तो नजर आते हैं परंतु शमशान भूमि पर नजर नहीं आ रही गौरतलब बात तो यह है मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा शमशान भूमि पर जरा भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है और यही कारण है यह कर्मचारी द्वारा 3 सिलेंडर चोरी किया जा रहे हैं जिसको कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा हमने यहां के कर्मचारी से रिकॉर्ड दिखाने की बात की उस पर कर्मचारी आनाकानी करने लगे कोई भी कर्मचारी इस मामले में बात करने को तैयार नहीं है सब एक दूसरे पर यह मामला ढकल रहे हैं उन्होंने चेतावनी दी है मनपा प्रशासन कि मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा जिसको ठेका दिया गया है साफ सफाई का और रखरखाव का वह लोग अपने काम के प्रति गैर जिम्मेदार साफ तौर पर नजर आ रहे हैं तो हमारी मांग है उन लोगों पर मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा एफआईआर दर्ज की जाए अगर 5 अगस्त शुक्रवार तक एफआईआर दर्ज नहीं की जाती तो हम लोग हमारी संस्था के माध्यम से मुंब्रा प्रभाग समिति के बाहर धरना प्रदर्शन करेंगे।

देवगिरी बंगले में ही रहेंगे अजित पवार

एनसीपी नेता पर मेहरबान शिंदे-फडणवीस सरकार

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्ता बदली, पद बदला लेकिन एनसीपी नेता अजित पवार का बंगला अभी भी वही रहने वाला है। शिंदे- फडणवीस सरकार ने मालाबार हिल स्थित देवगिरी बंगला अजित पवार को आवंटित करने का फैसला किया है। अजित पवार ने देवेंद्र फडणवीस को दो बार पत्र लिखकर देवगिरी बंगला बने रहने का

अनुरोध किया था। इसके बाद सरकार की ओर से सर्कुलर जारी कर कहा गया कि देवगिरी बंगला अजित पवार को दिया जाएगा। इसी के साथ महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में फडणवीस और अजित पवार की दोस्ती के चर्चे फिर शुरू हो गए हैं। खास बात यह है कि जब अजित पवार महाविकास आघाड़ी सरकार में डेप्युटी सीएम थे तब भी वह देवगिरी बंगले में ही रहते थे।

1999 से इसी बंगले में रह रहे अजित पवार: अजित पवार और देवगिरी बंगले का रिश्ता अटूट है। अजित पवार इस बंगले में 16 साल से भी ज्यादा समय से रह रहे हैं। अजित पवार 1999 से 2014 तक लगातार इस बंगले में रहे। 1999 में कांग्रेस-एनसीपी की सरकार बनने पर अजित पवार को देवगिरी बंगला मिला था।

देवगिरी बंगले को भव्य माना जाता है: 2014 में बीजेपी की सत्ता आने के बाद सुधीर मुनगंटीवार को यह बंगला दिया गया। 2019 में महाविकास आघाड़ी की सरकार बनने के बाद फिर से यह बंगला पवार को मिला। सीएम आवास वर्षा के बाद देवगिरी बंगले को भव्य माना जाता है। राजनीतिक हलकों में अजित पवार को बंगला देकर देवेंद्र फडणवीस की उदारता की चर्चा हो रही है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सागर बंगले से राज्य की कमान संभालेंगे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

फिरौती के लिए 13 वर्षीय बच्चे की हत्या

इस मामले में पुलिस ने दो आरोपी अफजल अंसारी (22) और इमरान शेख (24) को गिरफ्तार किया है। आरोपी मृतक लड़के के दोस्त थे। उन्होंने पैसे के लालच में मयंक का अपहरण कर रंगदारी वसूलने की योजना बनाई थी। इस बीच, आरोपियों ने राज खुलने के डर से मयंक की हत्या कर दी। उसके बाद उन्होंने उसकी मां को फोन कर फिरौती की मांग की। पुलिस ने फोन कॉल के लोकेशन को ट्रैस कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार होने के बाद दोनों पुलिस को बच्चे के शव तक ले गए और बाइक से वारदात को अंजाम दिया। हमारी टीम दोनों हत्यारों को पकड़ने में कामयाब रही। लेकिन, दुर्भाग्य से, हम बच्चे को नहीं बचा सके क्योंकि अपहरण के लगभग तुरंत बाद ही उसे मार दिया गया था, एक अधिकारी ने कहा, जिसने मामले में किसी भी नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कोण से इनकार किया।

शिवसेना किसकी?

कपिल सिब्बल ने अपना पक्ष रखते हुए कहा, अब महत्वपूर्ण बात यह है कि दो तिहाई लोग नहीं कह सकते कि वे मूल राजनीतिक दल हैं। पैरा 4 (10वीं अनुसूची का) इसकी अनुमति नहीं देता है। उन्होंने कहा, वे तर्क दे रहे हैं कि वे असली पार्टी हैं। जबकि कानूनन यह मंजूर नहीं है। क्या वे चुनाव आयोग के सामने स्वीकार करते हैं कि विभाजन हुआ है। इस पर मुख्य न्यायाधीश एनवी रमणा ने कहा कि अलगाव उनके लिए बचाव नहीं है। सिब्बल ने आगे कहा कि 10वीं अनुसूची में 'मूल राजनीतिक दल' की परिभाषा को संदर्भित किया गया है 'मूल राजनीतिक दल', एक सदन के सदस्य के संबंध में है। पैरा 2 में कहा गया है, 'एक सदन के एक निर्वाचित सदस्य को उस राजनीतिक दल से संबंधित माना जाएगा, यदि कोई हो, जिसके द्वारा उसे ऐसे सदस्य के रूप में चुनाव के लिए उम्मीदवार के रूप में खड़ा किया गया था।' उन्होंने कहा कि कर्नाटक विधानसभा मामले में इस अदालत ने कहा कि पार्टी सदस्यता राशि का त्याग आचरण से अनुमान लगाया जा सकता है। यहां उन्हें पार्टी की बैठक के लिए बुलाया गया, वे सूरत गए और फिर गुवाहाटी चले गए। उन्होंने डिप्टी स्पीकर को लिखा, अपना व्हिप नियुक्त किया। आचरण से उन्होंने (शिंदे समूह) पार्टी की सदस्यता छोड़ दी है। वे मूल पार्टी होने का दावा नहीं कर सकते। 10वीं अनुसूची इसकी अनुमति नहीं देती है। उद्धव गुट की ओर से सिब्बल ने कहा कि चीफ व्हिप राजनीतिक दल और विधायक दल के बीच की कड़ी होता है। एक बार आपके चुने जाने के बाद आप राजनीतिक दल से जुड़ते हैं। आप यह दावा नहीं कर सकते कि आप राजनीतिक दल हैं। आप कहते हैं कि आप गुवाहाटी में बैठे राजनीतिक दल हैं। राजनीतिक दल चुनाव आयोग द्वारा तय किया जाता है। आप गुवाहाटी में बैठने की घोषणा नहीं कर सकते। उनका तर्क है कि उनके पास बहुमत है, लेकिन बहुमत को 10वीं अनुसूची द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, आपके अनुसार, उन्हें बीजेपी पार्टी में विलय करना होगा या उन्हें एक नई पार्टी बनानी होगी और चुनावी पार्टी के साथ पंजीकरण करना होगा। जवाब में सिब्बल ने कहा कि यही एकमात्र बचाव संभव है। दूसरी ओर, एकनाथ शिंदे गुट की ओर कोर्ट में पेश वकील हरीश साल्वे ने कहा कि एंटी डिफेक्शन एक्ट लोकतंत्र की आत्मा को नहीं बदल सकता है। आज शिवसेना बदल गई है यह एक विवाद है। लेकिन वकील कपिल सिब्बल ने जो भी तर्क दिए वो उचित नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि जब आप अपनी पार्टी छोड़ते हैं, तब दलबदल कानून लागू होता है। यहां किसी ने पार्टी नहीं छोड़ा है। दलबदल कानून उस नेता के लिए नहीं है, जो अपने विधायकों को कमरे में बंद कर दे। ये कानून पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र को खत्म करने के लिए नहीं है। शिवसेना के अंदर बहुत दिक्कतें हैं। सिब्बल साहब ने जो कहा वो सही नहीं है। साल्वे ने कहा कि अभी तक किसी ने किसी को अयोग्य नहीं ठहराया है। अगर मीटिंग अटेंड न करे तो अयोग्यता नहीं होता। व्हिप सिर्फ सदन के अंदर के लिए होता है। पार्टी मीटिंग के लिए नहीं, अभी किसी विधायक ने पार्टी नहीं छोड़ी है।

यंग इंडिया का दफ्तर सील

कांग्रेस नेता बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर कर्नाटक पहुंचे थे, लेकिन वो अपना दौरा छोड़कर दिल्ली वापस आ रहे हैं। मंगलवार को ही ईडी की टीम ने सुबह से देर शाम तक नेशनल हेराल्ड के दिल्ली, मुंबई और कोलकाता समेत 16 ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई सोनिया और राहुल से पूछताछ के बाद की गई थी। ईडी की कार्रवाई के बाद कांग्रेस नेता अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि यह विनाश काल है, विनाश काले विपरीत बुद्धि। बीजेपी हमें डराना चाहती है, लेकिन हम जनता के मुद्दों पर आवाज उठाते रहेंगे।

शिवगंज में राज्य स्तरीय स्काय मार्शल आर्ट व नेट बॉल रैफरी क्लीनिक-2022 की कार्यशाला का शुभारंभ किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। शिवगंज में मॉडर्न डिफेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आज से तीन दिवसीय रैफरी क्लीनिक 2022 की कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। शहर के टाउन हॉल में उपखंड अधिकारी भागीरथ राम चौधरी के मुख्य आतिथ्य , ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार की अध्यक्षता व मुख्य महामंत्री राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) धर्मेन्द्र गहलोत के विशिष्ट अतिथि में राज्य स्तरीय रैफरी क्लीनिक 2022 स्काय मार्शल आर्ट व नेटबॉल की कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। नरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि इस कार्यशाला में स्काय मार्शल आर्ट में दक्ष प्रशिक्षक घनश्याम हरि गुर्जर सहित कुल 57 संभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रकार नेटबॉल की कार्यशाला में दक्ष प्रशिक्षक कमलेश सिंह व सुधा कुमारी जाट सहित कुल 55 संभागी भाग ले रहे हैं। उपखंड अधिकारी भागीरथ राम चौधरी ने संभागीय को संबोधित करते हुए कहा कि आप यहां पर तीन दिवसीय कार्यशाला में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त कर अपने जिले में इसका सफल क्रियान्वयन करें तथा नवीन खेलों से छात्रों में रुचि उत्पन्न करें। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने राज्य से आए सभी शारीरिक शिक्षकों को कहा कि इस कार्यशाला को तभी सफल माना जाएगा जब आप सभी अपने-अपने जिले की छात्र-छात्राओं की टीम बनाकर राज्य स्तर पर अपने जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। तथा अपना इस कार्यशाला से अधिक से अधिक खेल की बारीकी का ज्ञान कर अपने जिले में इसका प्रचार प्रसार करें। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार शिक्षक नेता धर्मेन्द्र गहलोत ने कहा कि रैफरी क्लीनिक कार्यशाला में आपको 10 प्रशिक्षकों द्वारा खेल संबंधी नियमों की जानकारी, प्रतियोगिताओं के सुचारू संचालन एवं जिला स्तर पर निर्णायक पैनल तैयार करने के लिए 3 दिन तक जो जानकारी दी जाएगी उसे अपने जिले में शारीरिक शिक्षकों को वाकपीठ में अधिक से अधिक साझा करें ताकि इस कार्यशाला की उपयोगिता सिद्ध हो सके। इस कार्यक्रम के आयोजन की व्यवस्था एवं कार्यक्रम की भव्यता को देखते हुए सभी अतिथियों सहित राज्य भर से आये संभागीयो ने मॉडर्न डिफेंस स्कूल के निदेशक नरेंद्र सिंह राजपुरोहित को बहुत ही आभार व्यक्त किया साथ ही विभाग की हर कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भूमिका के लिए भी आभार जताया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन ऋषभ नागर द्वारा किया गया एवं सुमेर सिंह, जब्बर सिंह, जगजीत सिंह राजपुरोहित, महावीर सिंह इंदा, उमेश त्रिवेदी, इस्माइल हाडा, सुदर्शन सिंह, ममता खंडेलवाल, पीराराम सहित गणमान्य शिक्षक सहित नगर के शिक्षाविद् उपस्थित रहे। निदेशक नरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने संभागीय को कहा कि कार्यशाला की सफलता एवं आप की व्यवस्था के लिए मैं और मेरी पूरी टीम हर समय आपके लिए तैयार रहेंगे एवं इन कार्यशाला को आप प्रदेश स्तर पर मॉडल के रूप में सफल क्रियान्वयन करें। उक्त जानकारी राजस्थान शिक्षकसंघ (प्रगतिशील) के मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

करबला का जिक्र अपने घरों में क्यो? ताकि हमारे मरे हुए जमीर फिर से जिन्दा हो सके जरूर पढ़े

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

करबला महज एक जंग का मैदान ही नही था यहां रिश्तों की भी बुनियाद अल्लाह रब्बुल इज्जत अपनी मखलूक को सिखा रहा था! सोचिये आज हमारे घरों में रिश्ते जिस तरह से खोखले होते जा रहे हैं इसकी एक वजह ये भी है। करबला में क्या हुआ था? इस सवाल के जवाब में हम जंग के हालात बयान कर देते है लेकिन आज के समाज को जो जरूरत है वो बयान नही किया जाता है! असल मे करबला का बयान सिर्फ मस्जिदों महफिलो और मजलिसों की मोहताज हो गई है जबकि इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हमारे घरों में है इसका जवाब नीचे है। करबला में एक भतीजा अपने चाचा पर कुर्बान हो गया बेटे बाप पर कुर्बान हो गए भांजे मामू पर अपनी जाने निछावर कर देते है सौतेले भाईयो ने अपनी गर्दन कटवा दी बहन ने भाई के लिए अपने बच्चे निछावर कर दिए बिना हिचकिचाते हुए, बाप बेटो के लिए आँसू

की बरसात कर देता है छोटे छोटे मासूम अपने बड़ों के लिए जान दे देते है दोस्त अपने दोस्तों से पहले कुर्बान होने की गुजरिशे करते है इतनी शिद्दत की प्यास में चाचा अपनी भतीजी के लिए पानी लेने का खतरा उठाते है जबकि उनके खुद के मासूम प्यासे है गुलाम अपने आकाओं के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार थे और उनके मालिक उनके जनाजे पर जार जार रोते है, माँ अपने बच्चों को अपने वक़्त के इमाम पे कुर्बान करने के लिये अपना फर्ज समझते है, करबला हमे दर्स देती है के अगर जालिम हुक्मरान तुम्हारे सामने आ जाए तो अपना सिर जालिम के सामने ना झुकाओ भले ही अपनी नस्ले कुर्बान क्यों न करना पड़े, मुनाफि कों को बेनकाब करने का नाम है करबला, रसूल अल्लाह और आले रसूल के कातिलों को बेनकाब करने का नाम है करबला, असली इस्लाम मर चुका था उसको हयात देने का नाम है करबला, झूठो को आइना दिखाने का नाम है करबला, जब भी इस्लाम पे मुसीबत आए खुद को अपनी औलादों को कुर्बान करके इस्लाम को बचाने का नाम है करबला, दोस्तो ये है करबला जो आज के दौर में हमारे घरों में गूंजना चाहिए! आज इस मतलबी दुनिया मे सगे का सगा नही हो रहा है हर घर मे हिस्से बटवारे की लड़ाई हो रही है कोई किसी की नही सुन रहा है सोचिये हमारे इमाम हमे क्या देकर गए है? करबला यूं तो सालभर हमारे घरों में सुनाई जाना चाहिए कम से कम मुहर्रम में 10 दिनों तक जरूर इसका जिक्र हमारे पूरे परिवार को बैठकर सुनना चाहिए, मुसलमानों अगर आज करबला हमारे जहनो से मिट गई तो समझ जाओ मुसलमान भी मिट गया। करबला मोमिन और मुनफिक क की पहचान का नाम है मोमिन करबला भूल नहीं सकता और मुनाफिक करबला बर्दाश्त कर नहीं सकता, करबला में भी सब मुसलमान थे हजारो का लश्कर मुनफिक क था, 72 हुसैनी मोमिन थे आप अपने आपको देखो कहा हो।

शाहपुरा में खुशी परियोजना द्वारा हर्षोलास से मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। हिंदुस्तान जिंक,केयर इंडिया महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संचालित खुशी परियोजना के अंतर्गत शाहपुरा ब्लॉक के शाहपुरा सेकंड सेक्टर की सभी आंगनबाडियो पर आज विश्व स्तनपान दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया ग्राम पंचायत तहनाल में विश्व स्तनपान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत तेजाजी मंदिर धर्मशाला में स्तनपान जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच महोदया श्रीमती गोविंद कंवर की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया फिल्ड मॉनिटर युवराज रेगर द्वारा सभी का स्वागत किया गया एवं खुशी परियोजना का परिचय दिया गया कार्यक्रम में पंचायत एवं सेक्टर की गर्भवती एवं धात्री माताओं के साथ-साथ आंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनी, सहायिका ने भाग लिया जिसमें पंचायत की 28 धात्री 6 गर्भवती माताओं ने प्रतिभागी के रूप में भाग लिया कार्यक्रम के अगले चरण में कलस्टर

समन्वयक भैरू सिंह चौहान द्वारा स्तनपान के महत्व के बारे में बताया एवं जन्म के तुरंत बाद स्तनपान, केवल स्तनपान एवं 2 वर्ष तक स्तनपान जारी रखने के बारे में बताया, उपस्थित माताओं से छोटे-छोटे प्रश्नों के माध्यम से स्तनपान के बारे में जागरूकता पर चर्चा की गई जिसमें महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया कार्यक्रम में चयनित 5 महिलाओं को खुशी परियोजना द्वारा मुकुट एवं दुपट्टा एवं बाकी महिलाओं को स्तनपान जागरूकता के पंप्लेट दिए गए कार्यक्रम की अध्यक्ष महोदया द्वारा महिलाओं को स्तनपान के प्रति प्रेरित किया एवं खुशी परियोजना द्वारा किए गए कार्यक्रम की प्रशंसा की एवं सभी माताओं को स्तनपान करवाने के बारे में कहा गया कार्यक्रम के अंत में फील्ड मॉनिटर युवराज रेगर द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया कार्यक्रम में ममता गाडरी एवं कैलाश नायक ने कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया इस कार्यक्रम की महिलाओं ने बहुत प्रशंसा की एवं अपने बच्चे को सही तरीके से सही स्थिति में एवं स्तनपान की अच्छी आदतों को व्यवहार में लाने की शपत ली सभी को अल्पाहार दिया गया एवं कार्यक्रम का समापन किया गया। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

उदयपुर में संभाग संयुक्त श्रम आयुक्त के पद पर संकेत मोदी ने पदभार ग्रहण किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। चित्तौड़गढ़ से उप श्रमायुक्त पद से स्थानांतरित होकर आए संकेत मोदी ने संभाग संयुक्त श्रम आयुक्त उदयपुर का पदभार आज प्रातः श्रम विभाग से अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी देवी लाल पालीवाल, श्रम निरीक्षक विजयलक्ष्मी खांट, श्रम निरीक्षक मदालसा झाडावत, श्रम निरीक्षक भैरु सिंह तथा नितिन भटनागर रेखा मूनेत, विजय चौहान, विकाश छजेड़, वरिष्ठ सहायक बाबु सिंह चित्तौड़गढ़ आदि की की उपस्थिति में अपने पद का कार्यभार ग्रहण करते हुए विभाग के विभिन्न विषयों पर कार्यों की समीक्षा की। उक्त जानकारी समाजसेवी मदन सालवी औजस्वी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

विप्र सेना बीकानेर शहर युवा प्रकोष्ठ कार्यकारणी का विस्तारः उपाध्याय मीडिया प्रभारी पाईवाल सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

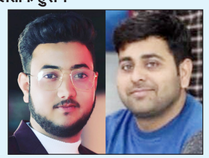

बीकानेर। विप्र सेना बीकानेर शहर जिला कार्यकारणी का विस्तार करते हुए बीकानेर जिला प्रभारी पवन कुमार सारस्वतकी अनुसंशा पर युवा प्रकोष्ठ शहर जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सारस्वत ने युवा प्रकोष्ठ बीकानेर में तरुण उपाध्याय को मीडिया प्रभारी, पुखराज पाईवाल को सोशल मीडिया प्रभारी, नियुक्त किए गया उक्त नियुक्ति पर बीकानेर संभाग अध्यक्ष हरि गोपाल शर्मा, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य रजनीकांत सारस्वत, प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ रविन्द्र जाजड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष महादेव उपाध्याय, जैना महाराज उपाध्याय, प्रदेश सदस्य विमला ओम उपाध्याय, बीकानेर महिला प्रकोष्ठ शहर जिला अध्यक्ष किरण शर्मा, महामंत्री युवा प्रकोष्ठ नरेश शाकद्वीपीय, महामंत्री नरेश सरस्वत (आजाद) उपाध्यक्ष मुरली सारस्वत, जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष वीना पारीक, राहुल शर्मा पूर्व यूवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष, आदि ने बधाई व शूभकामनाये दी।

शाहपुरा में राग रागेश्री संगीत पर झूमें सभी श्रोतागण

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। स्थानीय विद्यालय आदर्श विद्या मन्दिर गांधीपुरी, शाहपुरा में आज दिनांक 03 अगस्त 2022 को पद्मश्री और ग्रेमी अवार्ड से नवाजे जा चुके विश्व मोहन भट्ट के पुत्र सलिल भट्ट ने सिरकत की कार्यक्रम की शुरूआत कलाकार सलिल भट्ट ने राग रागेश्री संगीत से की उनके साथ प्रसिद्ध तबला वादक हिमांशु मंहत ने भी तबला वादन से सभी को भावविभोर किया कार्यक्रम में कैलाश चन्द्र पालिया स्पीक मेके राजस्थान राज्य कोर्डिनेटर ने भी उपस्थिति दी साथ ही आज विद्यालय म भीलवाड़ा विद्या भारती शिक्षा संस्थान द्वारा विद्यालय दर्शन हेतु अशोक कुमार व्यास, अध्यक्ष, भीलवाड़ा विद्या भारती षिक्षा संस्थान, रोशन लाल पितलिया, महावीर ओझा सदस्य प्रात कार्यकारिणी, चितौड़ प्रांत, करण सिंह सिंघवी भू वैज्ञानिक अधिकारी भाभा परमाणू अनुसंधान केन्द्र मुम्बई आए। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

ग्वालियर में नेताओं की बाड़ेबंदी, तो क्या पार्टी में आस्था नहीं बची हैं?

(वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र परिहार की कलम से...)

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। वर्तमान हालातों को देखते हुए यह सवाल लाजिमी है कि क्या अब नेताओं के लिए पार्टी सिद्धांत और उनमें आस्था तथा जनमत के प्रति वचनबद्धता सब कुछ शून्य हो गए , हाल के चुनावों में फिर वो शहरी रहे हों या ग्रामीण सभी मे स्वच्छ लोकतंत्र गोंण दिखाई दिया, निर्वाचित प्रतिनिधि किस पाले या दल का है और कहां बेठेगा इसका आकलन लगाना बड़े-बड़े राजनितिज्ञों के लिए भी अभूज पहली साबित हुए। जनमत की दुहाई देने वाले जनमत लूटते दिखें ऐसा न तो किसी दल के सिद्धांतों में है और न ही हमारे भारतीय संविधान में जिसकी दुहाई और कसम लेकर नेता सत्तारूढ़ होते हैं। ताजे हालातों की बात करें तो इतिहास में पहली बार ग्वालियर भाजपा अपने नव निर्वाचित पार्षदों को दिल्ली वरिष्ठ नेतृत्व से मिलवाने ले जा रही है इसी दौरान खबर मिल रही है कि दो से तीन पार्षद मुरैना पार करते ही लघुशंका के बहाने उतरे और फिर वापस बस में नहीं चढे., वहीं मुरैना कांग्रेस 34 पार्षदों की पिछले दो दिनों से बाड़ाबंदी किये हुए है। इसकी प्रमुख वजह है कि ग्वालियर चंबल के निकाय चुनाव में अब तक भाजपा सिरमौर रही है लेकिन इस बार ग्वालियर में 57 का रिकॉर्ड तोड़ते हुए कांग्रेस ने न सिर्फ अपना महापौर बनाया बल्कि पार्षदों की गिनती भी उस स्तर पर पहुंच गई कि कुछ पार्षद इधर-उधर हुए तो परिषद भी गफलत में पड़ सकती है, इसे भांपते हुए भाजपा ने अपने पार्षदों को सुरक्षित करने में ही समझदारी समझी। गौरतलब है कि ग्वालियर, चंबल संभाग शुरू से भाजपा का गढ़ माना जाता रहा है लेकिन इस बार मुरैना और ग्वालियर में महापौर की दोनों सीटों से भाजपा को हाथ धोना पड़ा इससे भाजपा में गुटबाजी दिखी तो हासिये पर गई कांग्रेस को संजीवनी मिली। अहम सवाल यह है कि नेताओं की बाड़ाबंदी, घेराबंदी इयरलिफ्ट या अन्य तरीकों से गोपनीय रखने की जरूरत क्यों कर पड़ने लगी! हद तो इस बात की है कि पिछले कुछ सालों में राजनीति में जनमत को ठगने का गंदा खेल जो प्रदेशिक सत्ताओं तक सीमित था वह अब गांव गली की सरकारों तक जा पहुंचा, महाराष्ट्र, मप्र राजस्थान एंव अन्य राज्य इस बात के ताजा उदाहरण है। ये बात चिंताजनक नहीं है? कि बड़े-बड़े दल चाहे भाजपा हो या कांग्रेस अपने निर्वाचित नेताओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे ऐसे जनप्रतिनिधि जनता के द्वारा दिए गए जनमत के प्रति कितने जबाबदेह होंगे? देश की स्वच्छ लोकतांत्रिय व्यवस्था में पिछले कुछ वर्षों में अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक प्रचलन में आई सत्ता पाने की इस व्यवस्था से निर्वाचन का पूरा ढांचा ही लड़खड़ा सा गया है। क्या अब राजनेतिक पार्टियों में निष्ठावान कार्यकर्ताओं या नेताओं का अभाव हो गया है या फिर सत्ता पाने के लिए निष्ठाओं की बलि दी जा रही है।

हाल ही में भोपाल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें बाहर कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सुरक्षा में लगे पुलिस अफसर का कॉलर खींच रहे थे तो दूसरी ओर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा और अन्य साथी एक वृद्ध महिला सदस्य को इस रफ्तार से अंदर की ओर ले जा रहे थे मानो उसे कोई छीन लेता इस दौरान उस महिला की चप्पल तक उतर गई। इधर कांग्रेस नेता पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष बृंदावन सिंह सिकरवार का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह भाजपा पर जनमत लूटने का आरोप लगा रहे हैं इसके साथ ही अशोभनीय शब्दों में चेतावनी भी दी है कि यदि भाजपा के लोगों ने उनके व्यक्तियों को हाथ भी लगाया तो परिणाम ठीक नहीं होंगे। अभी हाल ही में भाजपा के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आया बयान आज के हालतों को देखते हुए सही है कि राजनिती में जन सेवा का भाव का अब बचा ही नहीं। तो क्या पार्टी की रीति-नीति पर अपने पश्च में प्रभावित करने वाली पुरानी प्रथा पुराने नेताओं के साथ ही अलविदा कह गई। यदि ऐसा ही चलता रहा तो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का हस्र क्या होगा?

चौहान मां आशापुरा संगठन के शहर जिलाध्यक्ष व सेन जिला मंत्री मनोनित

उदयपुर में मां आशापुरा संगठन की बैठक संपन्न हुई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। मां आशापुरा संगठन की सर्व पदाधिकारियों की बैठक झामेश्वर महादेव मन्दिर परिषर में आयोजित की गई जिसमे स्नेह मिलन का आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता संगठन संस्थापक चेतन सोनी ने की बैठक में शहर जिला की कार्यकारणी पर चर्चा हुई बैठक में सर्व सहमति से शहर जिलाअध्यक्ष पद पर नरेन्द्र सिंह चोहान को ओर जिला मंत्री के पद पर राजकुमार सेन को मनोनीत किया गया जिलाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करते ही जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह चोहान ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की हम उदयपुर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन की शाखा की स्थापना करेंगे ओर हम हर एक कार्यकर्ताओ के लिए सदेव तत्पर रहेंगे हर गांव की समस्या का समाधान करेंगे और अपने कार्यकर्ताओं के साथ सदेव खड़े रहेंगे इसी कर्म में जिला मंत्री राजकुमार सेन ने बताया कि संगठन के विस्तार के साथ युवा साथियों के लिए आगामी दिनो में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन कि ओर से युवा साथियों को शस्त्र दीक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे हम शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के वुवाओं को अपने धर्म ओर सनातन संस्कृति के बारे में अवगत कराएंगे। बैठक विजय जोशी, रमसिंह, कमलेश जोशी, अनिल सिंह रणावत, मांगीलाल सालवी, महेन्द्र सालवी, पप्पू सिंह, गोतम शर्मा, मनीष सालवी, खेमराज गमेती, लोकेश गमेती, तनवीदर सिंह आदि पदाधिकारी उपस्थित थे। उक्त जानकारी समाजसेवी एवं संगठन प्रमुख चेतन सोनी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ग्वालियर में एफएसएस अधिकारियों के निजी स्वार्थ की भेंट चढ़ते एसबीआई एटीएम

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / मुकेश शर्मा

राजस्थान। भारतीय स्टेट बैंक या एसबीआई के अधिकारी कर्मचारी हर दूसरे तीसरे महीने अपनी आय को बढ़ाने के लिये हड़ताल पर चले जाते हैं पर खाली पड़े हुये रिक्त पदों को भरने के लिये आवाज नहीं उठाते उसी का नतीजा हैं कि एसबीआई के हर कर्मचारी के पास दोगुना काम है। इस लिये एसबीआई ने अपने कुछ कामों को करने के लिये अन्य संस्थाओं को नियुक्त किया है पर अब इन्हीं संस्थाओं के अधिकारी एसबीआई को अंधेरे में रख कर भ्रष्टाचार करके लाखों की कमाई कर रहे हैं पर बदनामी एसबीआई की हो रही हैंमामले। को समझने के लिये जरा हमें बैंकींग के एटीएम डीपार्टमेंट की कार्य प्रणाली को समझना होगा। जैसा की आप लोगों को पता ही हैं इंटरनेट की तेज भागती दुनिया में हर कोई अपना काम तुरंत कराना चाहता है फिर चाहे वो बैंक से पैसे का लेनदेन करना ही क्युं न हो वही दुसरी तरफ बैंक भी अपने काम को कम करने के लिये जगह एटीएम लगा देते है जिससे उनके यहां काम कम हो जाता हैं। ये व्यवस्था लगभग हर बैंक में हैं। पर इस काम को करने के लिये कुछ खास टेक्निकल जानकारी की जरूरत पड़ती हैं यहां से बैंकिंग में अन्य संस्थाओं का प्रवेश होता हैं। हर बैंक अपनी जरूरत के हिसाब से संस्थाओं का चयन करता हैं। ऐसा ही एसबीआई ने किया कुछ एटीएमों को छोड़ कर मेटिनेंस, संचालन एवं केयर टेकिंग का लगभग सारा काम एफएसएस (फायनेसियल सॉफ्टवेयर एण्ड सिस्टम) को दे दिया जिसके लिये एसबीआई करोड़ो रुपए एफएसएस को हर माह देती हैं। एफएसएस ने ग्वालियर चम्बल संभाग के एटीएम की देखरेख का जिम्मा ग्लोबल सिस्योरिटी को दे दिया। बस यही से सारा खेल शुरू होता है। जब एफएसएस के अधिकारियों ने देखा कि एसबीआई इतना पैसा तो दे रही है पर उसकी मॉनिटरिंग नहीं कर रही कि एफएसएस ये पैसा कहा और कैसे खर्च कर रही हैं इसी बात का फायदा उठा कर एफएसएस ग्वालियर जोन हेड दिव्य कुमार व अन्य अधिकारियों ने सबसे पहले तो ग्लोबल सिक्योरिटी पर दबाब डाल कर अपने खास लोगों को संभाग में बड़ी पोस्टो पर पदस्थ करवाया फिर इन्ही लोगों की मदद से हर एटीएम पर बोगस लोगों को केयर टेकर बनवाया। इनके नाम से आने वाली सैलरी को ये लोग मिल बांट कर खा लेते हैं। यहां भी एफएसएस और ग्लोबल ने मिल कर झोल किया उन्होनें केयर टेकर के लिये लगभग 4 हजार रुपए प्रति माह का वेतनयही सेट कर रखा हैं

जो कि शासन की गाईड लाईन के हिसाब से बहुत ही कम है। वो वजह है जिसका नतीजा एसबीआई के लगभग दर्जन भर एटीएम कट गये जिनमें करोड़ो रुपए लूट गये पर हर लूट के बाद एसबीआई और एफएसएस के उच्च अधिकारी एसी केविन में बैठ कर लूट के पैसों का हिसाब लगाते फिर बोगस केयर टेकर पर जिम्मेदारी डाल कर अपने अपने घर चले जाते। पर इनमें से किसी ने भी उन बैंको की सीसीटीवी फुटेज देखने की जहमत नही उठाई की जिस केयर टेकर को हम अभी नौकरी से निकाल कर आये हैं वो सही में वहां पर पदस्थ था भी या नहीं। अब सवाल ये उठता है कि क्या एसबीआई और एफएसएस के वो उच्च अधिकारी जो हर बात जानते है पर मिडिया के सामने नहीं आना चाहते तथा इतने एटीएम लूटने के बाद भी अपने चहेतो का बचाने में जी जान से लगे हैं उनको भी क्या इस काली कमाई में से हिस्सा बराबर पंहुचता हैं। क्या उनको ये पता हैं कि शहर में लगभग हर जगह एसबीआई के एटीएमों के साथ साथ दुसरी बैंकों के एटीएम लगे हैं और जो परिस्थितियां एसबीआई के लिये है वहीं परिस्थितियां अन्य बैंकों के एटीएमों के लिये भी हैं। जैसे एसबीआई और एफएसएस के ये दावे की हमारे एटीएम ज्यादा हैं। दुसरा ये दोनों संभाग बॉर्डर एरिया में पड़ते हैं। शुक्रवार को एटीएमों में ज्यादा पैसा रखना पड़ता है। पुलिस सही से अपना काम नहीं करती एक दो चोरों को गोली मार दो बाकी डर से एटीएम नहीं काटेंगे आदि आदि। पर ये सब तो फिर दुसरे बैंकों के एटीएमों के साथ भी होना चाहिये। पर हो केवल एसबीआई के साथ रहा है। इसलिए एसबीआई एवं एफएसएस के उच्च अधिकारियों से कहना चाहता हुं की अपने एसी केविनों से बाहर निकलों और देखों की एटीएमों पर लगातार होती चोरियों को कौन करवा रहा हैं और कैसे इनको रोका जाये तथा इसके लिये जिम्मेदारी तय की जाये तथा दोषी अधिकारी कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाये। उच्च अधिकारियों के ये कह देने भर से की हम मिडिया के सवालों के जबाब नहीं दे सकते से सवाल खत्म नहीं हो जाते हम नहीं पूछेगे तो कोई और पुछेगा इसलिये सवालों से भागों मत इनके जबाब तलाश करों। साथ सवाल पुलिस प्रशासन से भी हैं कि जिन एटीएमों पर केयर टेकर नहीं हैं उनकी सूरक्षा के लिये बैंक ने अपने स्तर पर क्या इंतजाम किया हैं इसका जबाब बैंक दे। अगर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं तो एटीएम बंद करवा दो। संभाग के बहादुर पुलिस वालों पर विश्वास हैं कि देर सवेर जिन्होंने एटीएम काटे उनको तलाश कर ही लेगें पर एफएसएस व ग्लोबल सिक्योरिटी से भी पुछो की जब एटीएम काटे जा रहे थे तो उनके केयर टेकर कहा थे। जांच इस बात की भी होनी चाहिये की एफएसएस के ग्वालियर जोन हेड दिव्यकुमार व अन्य अधिकारियों ने इन चारियों को रोकने के कुछ किया भी हैं या नहीं अगर नही तो इनके विरूद्ध जांच कर आरोपी पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की जाये।

पीएमओ द्वारा मांगी जांच रिपोर्ट को यूपी के अपर मुख्य सचिव के पक्ष में कराने में जुटे अधिकारी

वेबसाइट पर अब तक लोड नहीं की गई अपर प्रमुख सचिव के खिलाफ की गई जांच रिपोर्ट

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग में दवाओं और उपकरणों की खरीद में भारी घोटाले के साथ ही घटिया पीपीई किट और कोरोना के खिलाफ लोगों की जान बचाने के इरादे से कानपुर समेत उत्तर प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में ऑक्सीजन गैस सप्लाई यानी उसकी पाइप लाइन बिछाने में भी भ्रष्टाचार से भारी आर्थिक लाभ के इरादे से बरती गई घोर अनियमितताओं के खिलाफ प्रधानमंत्री कार्यालय और लोकायुक्त द्वारा जांच करा कर दोषियों को दंडित कराने की मंशा पर उत्तर प्रदेश के महाभ्रष्ट बताये जाने वाले कई अधिकारियों का गठजोड़ भारी पड़ता नजर आ रहा है। अब तक देश भर में हजारों लाखों लोगों की जान ले चुके कोरोना काल के दौरान ऑक्सीजन की सप्लाई से संबंधित संकट से निपटने के लिए ऑक्सीजन पाइप लाइन बिछाने का यह मामला कानपुर समेत उत्तर प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों से जुड़ा हुआ है। जानलेवा कोरोना के खिलाफ ऑक्सीजन पाइप लाइन बिछाने के इस कार्य में बरती गई। घोर अनियमिताताओं के खिलाफ ही प्रधान मंत्री कार्यालय ने हाल में ही इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। इसी के साथ लोकायुक्त ने भी दवाओं और उपकरणों की खरीदारी और घटिया पी पी ई किट इस मामले में भी चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन के खिलाफ रिपोर्ट मांगी है, लेकिन इस बारे में विभागीय सूत्र जिस आशय का दावा कर रहे हैं, उसके मुताबिक अपर मुख्य सचिव अमित मोहन के खिलाफ जांच रिपोर्ट को प्रेषित करने के संदर्भ में पीएमओ और लोकायुक्त के भी आदेश निर्देश को ठेंगा दिखाने से नहीं चूका जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक जहां तक अपर मुख्य सचिव अमित मोहन के खिलाफ जांच को कथित रूप से दबाए जाने की जारी भरपूर कोशिश का सवाल है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लगभग 10 दिन बीतने के बाद भी जांच रिपोर्ट को अब तक ना तो प्रधानमंत्री कार्यालय भेजा गया है और ना ही उसे वेबसाइट पर ही लोड किया गया है। यही हाल लोकायुक्त द्वारा मांगी गई रिपोर्ट का भी बताया जाता है। विभागीय सूत्रों का दावा है कि कानपुर समेत उत्तर प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में ऑक्सीजन पाइप लाइन बिछाने में बरती गई गंभीर अनियमितताओं के मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय और लोकायुक्त के आदेश निर्देश के तहत इस मामले की बहुत बारीकी से निष्पक्ष जांच का परिणाम स्वास्थ्य विभाग में लगभग 7 साल से अंगद की तरह पैर जमाए बैठे यूपी के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद समेत कई अन्य अधिकारियों को भी अवश्य फंसा सकता है। इसीलिए भ्रष्ट अधिकारियों के गठजोड़ ने विभिन्न तरीकों से भ्रष्टाचार के आरोपी अपर मुख्य सचिव अमित मोहन को बचाने की जो जोरदार कोशिश शुरू की है। उसी के फलस्वरूप संबंधित जांच रिपोर्ट को अभी तक प्रधानमंत्री कार्यालय नहीं भेजा गया है और ना ही लोकायुक्त को इस बारे में कोई जवाब दिया गया है। जबकि लोकायुक्त ने इसके लिए बीती 28 जुलाई तक का समय दिया था। विभागीय सूत्र सवाल उठा रहे हैं कि अगर इस जांच को दबाने की कोशिश नहीं की जा रही है तो फिर पीएमओ को भी प्रेषित करने के साथ ही रिपोर्ट को अभी तक वेबसाइट पर लोड क्यों नहीं किया गया? और यही रवैया लोकायुक्त को भी रिपोर्ट प्रेषित करने के मामले में भी क्यों अपना रखा गया है। अवगत कराते चलें कि हाल में ही यूपी के स्वास्थ्य विभाग में नियम विरुद्ध हुए तबादलों भी आर्थिक लाभ के लिए मनमानी मामले में भी अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद का भी नाम चर्चा में रह चुका है।

मुस्लिमीन की एक बैठक का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। आल इण्डिया मजलिस से ईत्तेहादुल मुस्लिमीन की एक बैठक का आयोजन ग्राम सैन्यया मु. शरीफ हाफिज जी के आवास पर बैठक का आयोजन किया गया बैठक में ग्राम सहित अन्य ग्रामों के लोगों ने भाग लिया जिलाध्यक्ष फरीदुज्जफल रहमानी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के अन्दर फल फूल रहे नफरती ही निजाम को खत्म करने के लिए सभी पार्टी के पद अधिकारी एवं कार्य कर्ताओं को अपनी पार्टी की पूर्ण जिम्मेदारी एवं नीतियों को समझते हुए पार्टी के दिशा निर्देश एवं नियमों का पालन कराते हुए घर घर पैगाम पहुंचाना होगा साथ ही गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखना होगा तभी देश एवं देशवासियों का भला हो सकेगा इस अवसर पर मोहम्मद शरीफ हाफिज को ब्लाक चमख्वा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौपी गई तथा समाजवादी पार्टी छोड़कर गुल्फाम अमीर आरिफ नवेद यसैन राशीद शहीद नाजिम सरफराज मुकीम आदि लोगों ने भाग लिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ब्यूटी के बहुत काम आएंगी घर में नजरअंदाज की जाने वाली ये चीजें

हर लड़की को ब्यूटी से जुड़ी कोई न कोई समस्या जरूर होती है। किसी एक समस्या को दूर करने के लिए वे इतनी परेशान होती है कि बाजार से ढेरों तरह के ब्यूटी प्रॉडक्टस खरीद लाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी रसोई घर में बहुत सी ऐसी चीजें हैं, जिनसे हम ढेरों तरह की सौंदर्य से जुड़ी दिक्कतों को आसानी से दूर कर सकते हैं। जिसके लिए अलग से पैसे भी खर्च नहीं करने पड़ते और किसी भी तरह का साइड इफैक्ट होने का डर भी नहीं रहता। आइए जानें आसानी से घर में मिलने वाली कौन सी चीजें हैं, जिसे आप नजरअंदाज कर रहे हैं।

1. टूथपेस्ट

हर कोई सुबह सबसे पहले लोग दांत साफ करने के लिए टूथपेस्ट का ही इस्तेमाल करते हैं लेकिन यह इसके अलावा भी और बहुत से काम आ सकता है। चेहरे पर मुंहासे हो गए हैं तो थोडा सा टूथपेस्ट लगा लें। यह पिंपल्स को खत्म कर देगा। इसके अलावा कांच का टेबल और दरवाजे साफ करने में भी ये बेहद कारगर है।

2. बासी लार

बासी लार किसी दवाई से कम नहीं है। सुबह उठते ही मुंह में आने वाली पहली लार को पिंपल्स पर लगा लें। इससे ये एक ही दिन में गायब हो जाएंगे और किसी भी तरह का कोई निशान भी नहीं पड़ेगा।

3. बेकिंग सोडा और नींबू

किचन में खाने के लिए इस्तेमाल होने वाला बेकिंग सोडा दांतों का पीलापन दूर करने में मददगार है। थोड़ा-सा बेकिंग सोडा लेकर इसमें नींबू का रस मिलाएं और इस पेस्ट से दांतों को साफ करें। इस बात का खास ध्यान रखें कि इसे हफ्ते में सिर्फ एक बार ही इस्तेमाल करें और 30 सैकेंड से ज्यादा दांत साफ न करें।

4. प्याज

प्याज का रस बालों के लिए बेहद कारगर है। इससे बाल झड़ने का परेशानी से छुटकारा मिलता है। आप भी झड़ते बालों से टेंशन में रहते हैं तो इसके रस को निकाल कर बालों की जड़ों में लगाएं। फायदा मिलेगा।

5. क्रोसिन की गोली

जरा सा बुखार होने पर लोग क्रोसिन की गोली खाना सही समझते हैं लेकिन यह बालों में होने वाली रूसी को खत्म करने में भी बेहद कारगर है। इसमें पाया जाने वाला सिलीसिलिक एसिड बालों से डैड्रफ को पूरी तरह से हटा देता है। उसकी एक गोली को पीसकर अपने शैंपू में डालकर इससे बाल धोएं। इस बात का ध्यान रखें कि इसे 5 मिनट से ज्यादा अपने बालों पर लगा न रहने दें। इससे डैड्रफ से छुटकारा मिलेगा। इसका इस्तेमाल हफ्ते में एक बार ही करें। किसी तरह की इंफैक्शन होने पर इसका इस्तेमाव तुरंत बंद कर दें।

करीना की तरह Cheek bones पाने के लिए ट्राई करें ये 3 तीन स्टेप

करीना कपूर के परफैक्ट मेकअप का हर कोई दिवाना है। रेड कारपेट हो, फैमिली फंक्शन या एयरपोर्ट लुक वह हर समय बेहद खूबसूरत लगती हैं। परफैक्ट चीक बोन्स उनकी सुंदरता को और बढ़ा देते है। इस तरह की चीक बोन्स पर मेकअप और भी अच्छे से उभर कर आता है। आजकल हर लड़की करीना की तरह ही चीक बोन्स पाना चाहती है ताकि वह भी परफैक्ट लगें। आज हम आपको करीना की तरह डिफाईन शेप वाले चीक बोन्स बनाने के तीन आसान टिप्स बताएंगें, जिन्हें अपनाकर आप अपनी खूबसूरती पर चार चांद लगा सकती हैं। तो आइए जानते है करीना की तरह क्यूट चीक बोन्स पाने के आसान स्टेप।

सामान-

ब्रॉन्जर के लिए स्कीन टोन क्रीम या पाउडर

शिमरी ब्लश

हाईलाइटर

स्टेप 1

सबसे पहले चीक्स को अंदर की तरफ सिकोड़ लें। अब एक एंगुलर ब्रश से गालों पर ब्रॉन्जर लगाएं। ब्रॉन्जर को हेयरलाइन की तरफ ले जाकर ब्लेंड करें। अगर आपका माथा चौड़ा है तो आप ब्रॉन्जर को वहां पर भी अप्लाई करें।

स्टेप 2

दूसरे स्टेप में अपनी चीक बोन्स को हाईलाइट करें। ऐसा करने से मेकअप उभर कर आएगा और आप पहले से ज्यादा खूबसूरत लगेंगी।

स्टेप 3

इसके बाद अपने एप्पल ऑफ चीक्स में शिमरी ब्लश लगाएं। इससे गाल खूबसूरत लगने के साथ ही नेचुरल भी लगेंगे।

बालों का झडना, रूखापन, असमय सफेदी, रूसी और न जाने कौन-कौन सी समस्याएं आजकल आम सुनने को मिलती हैं। इन सबके पीछे का कारण बालों की सही तरह से देखभाल न करना, मंहगे लेकिन कैमिक्ल युक्त प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल, बालों पर किए जाने वाले जरूरत से ज्यादा एक्सपेरिमेंट, खान-पान में गड़बड़ी, प्रदूषण के अलावा और भी बहुत से कारण हैं। जिससे लड़कियां तो क्या लड़के भी परेशान रहते हैं लेकिन बालों से जुड़ी हर समस्या के लिए वरदान है एलोविरा। यह एक औषधिय पौधा है, जिसे ग्वारपाठा, धृतकुमारी आदि और भी बहुत से नामों से जाना जाता है। इसका इस्तेमाल प्राचीन काल से ही औषधि के रूप में किया जाता रहा है। एलोविरा जैल में 20 मिनरल्स, 12 विटामिन्स, 18 अमीनो एसिड्स और 200 प्रकार के न्यूट्रियन्ट्स पाएं जाते हैं। लोग इसका इस्तेमाल सेहत से जुड़ी बहुत सी समस्याओं के लिए करते हैं। इसके साथ ही ब्यूटी से जुड़ा कोई भी हर्बल प्रॉडक्ट हो इसके बिना नहीं बनता। इसी कारण इसे चमत्कारी औषधि भी कहा जाता है।

बालों के लिए एलोविरा के फायदें

इस पौधे से बालों की हर छोटी से बड़ी समस्या दूर हो जाती है। बाल छड गए हैं तो एलोविरा जैल को नियमित रूप से बालो में लगाते रहने से नए बाल उगने लगते हैं। आइए जानें कौन-कौन से हैं इसके फायदे।

बालों का झडना बंद

रोजाना कंघी करते समय थोड़े से बाल झडना आम बात है लेकिन बाल टूट कर ज्यादा गिर रहे हैं तो तुरंत एलोविरा का इस्तेमाल करना शुरू कर दें। अपने शैंपू में दोगुनी मात्रा में एलोविरा का ताजा जैल मिलाकर बाल धोएं। इससे बालों को विटामिन और मिनरल्स समेत पूरा पोषण मिलेगा और यह मजबूत होने शुरू हो जाएंगे।

घने और चमकदार बाल

घने और चमकदार बालों की चाहत रखते हैं तो एलोविरा आपके लिए बैस्ट है। इसके लिए एलोविरा जैल, थोड़ा सा नारियल का तेल, दूध और शैंपू को अच्छे से मिला लें। हफ्ते में दो बार इस शैंपू से बाल धोएं। कुछ ही दिनों में बालों में चमक आनी शुरू हो जाएगी।

चिपचिपाहट करें दूर

बाल धोने के बाद भी चिपचिपे नजर आते हैं तो एलोविरा जैल बिना रूखेपन के आपकी ये परेशानी दूर कर देगा। ताजे एलोविरा जैल को पत्ते से निकाल पर मिक्सी में पीस लें। अब इसे बालों की जड़ें में तेल की तरह आधे घंटे के लिए लगाएं। इसके बाद शैंपू से बाल धोएं।

रूसी से छुटकारा

रूसी बाल झडने का सबसे बड़ा कारण है। एंटी डैड्रफ शैंपू कुछ समय के लिए तो बालों से रूसी को राहत दिला देते हैं लेकिन इस्तेमाल करने के बाद दोबारा फिर से यह परेशानी होनी शुरू हो जाती है। ऐसे में एलोविरा रूसी को पूरी तरह खत्म कर सकता है। एलोविरा के जूस में थोड़ा-सा नींबू का रस और ऑलिव ऑयल मिलाकर बालों पर लगाए और 15-30 मिनट बाद धो लें।

हेयर ग्रोथ के लिए

एक कप एलोविरा जैल में 2 चम्मच मेथी का पाउडर, 1 चम्मच कैस्टर ऑयल डाल कर मिक्स कर लें। इसे बालों पर मास्क की तरह लगाएं और 1 घंटे बाद बाल धो लें और हफ्ते में 2 बार इसका इस्तेमाल करें।

प्याज और एलोविरा

एलोविरा जैल और प्याज को बराबर मात्रा में मिला कर बालों की जड़ों में लगाएं। एक घंटे तक बालों में लगा रहने के बाद शैंपू से धो लें।

शहद और एलोविरा

बालों में किसी भी तरह की इंफैक्शन है तो एलोविरा जैल में शहद मिलाकर बालों की जड़ों में लगाएं। इसे आधा घंटा लगा रहने के बाद धो लें। इससे बहुत फायदा मिलेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'मैं कोई मशीन नहीं हूं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान किसी न किसी वजह से लाइमसाइट में बनी ही रहती है। इन दिनों करीना कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के प्रमोशन करने में लगी हुई है, लेकिन उनकी चर्चा इनकी इस फिल्म को लेकर नहीं, उनकी प्रेगनेंसी की अफवाहों को लेकर हो रही है। सोशल मीडिया पर कई दिनों से यह अफवाह चल रही है कि करीना कपूर तीसरी बार मां बनने वाली है। हालांकि इससे पहले भी करीना इन अफवाहों को गलत बता चुकी है लेकिन इस बार करीना लोगों को करारा जवाब देती नजर आ रही है। करीना कपूर हाल ही में अपने परिवार के साथ वेकेशन पर गई हुई थी जहां की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। इनमें से एक तस्वीर को देखकर करीना के पेट को देखकर कुछ लोगों ने यह अफवाह फैलानी शुरू कर दी कि करीना कपूर तीसरी बार मां बनने वाली है। इस अफवाह को करीना कपूर ने बड़े ही मजेदार अंदाज में गलत बताते हुए कहा कि यह सिर्फ पिज्जा और वाइन है। करीना ने कहा था कि वो प्रेगनेंट नहीं है, उनके पति सैफ अली खान पहले ही देश की पॉपुलेशन के लिए काफी कंट्रीब्यूशन कर चुके हैं। करीना के अपनी प्रेगनेंसी की खबर के गलत साबित करने के बाद भी उनके तीसरी बार मां बनने की खबर पर उनसे सवाल पूछा जा रहा है, लेकिन इस बार करीना ने मजेदार जवाब देकर नहीं बल्कि करारा जवाब देककर लोगों की बोलती बंद कर दी है।

क्या अब कार्तिक आर्यन के साथ बनेगी श्रद्धा कपूर की जोड़ी?

बॉलीवुड में इन फिल्मो का रीमेक करने का ट्रेंड छाया हुआ है। एक के बाद एक पुराणी फिल्मो के रीमेक हो रहे है। ऐसे में अब खबर आई है कि एक पुराणी हिट फिल्म में कार्तिक आर्यन नजर आ सकते है। कार्तिक को बैक-टू-बैक कई प्रोजेक्टों के ऑफर आ चुके हैं। अब जानकारी आ रही है कि, वो एक क्लासिकल फिल्म के रीमेक में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर भी अहम भूमिका में दिखाई देंगी। रिपोर्ट्स की मानें फिल्म निर्माता अनिल कपूर और श्रीदेवी की सुपरहिट फिल्म तेजाब के रीमेक पर विचार कर रहे हैं और वो इस फिल्म पर्दे पर कभी ना दिखने वाली जोड़ी की तलाश में जुटे हुए हैं। साथ ही रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि, इस क्लासिकल फिल्म के रीमेक के लिए कार्तिक आर्यन और श्रद्धा कपूर के नाम पर विचार कर रहे हैं। लेकिन एक्ट्रेस ने अभी इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी सहमती नहीं दी है। आपको बता दें, हाल ही में जानकारी आई थी की फिल्म निर्माता मुराद खेतानी ने अनिल कपूर और श्रीदेवी की क्लासिक फिल्म तेजाब के राइट्स को खरीद लिया है। साथ ही उन्होंने फिल्म के प्री-प्रोडक्शन काम को भी शुरू कर दिया था। अब वो फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर विचार कर रहे हैं।

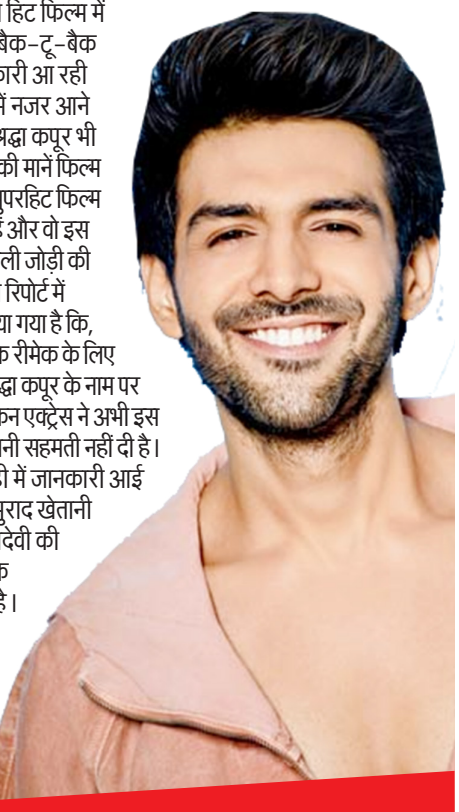

'अच्छा कंटेंट हमेशा चलता है'

South Vs North डिबेट पर बॉलीवुड में माहौल गरमाता जा रहा है। पिछले दिनों आमिर खान ने इस मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि कई समय से अपनी फिल्म तमिल, तेलुगू में डब करते आ रहे हैं, हमें भी अच्छे रिएक्शन मिले हैं। लेकिन जिस तरह साउथ सिनेमा ने बॉलीवुड पर क्रासओवर किया है, ऐसा रिएक्शन किसी भी बॉलीवुड फिल्म को नहीं मिला है। वहीं, अब इस मामले पर बॉलीवुड की डार्लिंग आलिया भट्ट अपनी राय रखती नजर आई। आलिया अपनी अपकमिंग फिल्म डार्लिंग्स के प्रमोशनल इवेंट में दिखाई दी। इस दौरान आलिया बोली कि हमें हिंदी फिल्मों के प्रति कांइड होने की जरुरत है। डार्लिंग्स के प्रमोशनल इवेंट में एक मीडिया हाउस के सवालों का जवाब देते हुए आलिया बोली- ये समय इंडियन सिनेमा के लिए मुश्किल रहा है। हम लोगों को हिंदी फिल्मों के प्रति थोड़ा काइंड होने की जरुरत है। आज हम यहां बैठकर कह रहे हैं- ओह बॉलीवुड.... ओह हिंदी सिनेमा...लेकिन क्या हम उन फिल्मों को भी गिन रहे हैं, जिन्होंने इस साल काफी अच्छा कलेक्शन किया है। अपनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की बात करते हुए आलिया बोली, साउथ इंडस्ट्री में भी उनकी सभी फिल्में अच्छी नहीं चली हैं। कुछ फिल्मों ने अच्छा परफॉर्म किया है और वो बहुत अच्छी फिल्में हैं। ठीक उसी तरह...मेरी फिल्म से शुरूआत करते हैं, गंगूबाई काठियावाड़ी ने काफी अच्छा बिजनेस किया है।